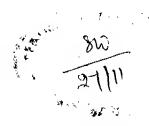


असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ३—चप-चण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाषितः
PUBLISHED BY AUTHORITY



#o 381] No. 381] नई विल्ली, गुक्रवार, जुलाई 21, 1989/आवाड 30, 1911 NEW DELHI, FRIDAY, JULY 21, 1989/ASADHA 30, 1911

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कियह अलग संकालन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

श्रम मंद्रालय

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1989

सा. का. ति. 707 (ब्र).-- खान नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए किन्य विनियमों का प्राच्य, खान प्रधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 59 की खाधरा (1) की अपेक्षानुसार मारत के राजयल, मलाधारण, भाग 2 खंड 3, उपखंड (1) तारीक 24 मई, 1988 में भारत सरकार में श्रम मलालय की अधिसूचना सं. सा. का. ति. 643 (ब्र) तारीख 24 मई, 1988 के प्रधीन प्रकाणित किया गया था जिसके द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संगावना थीं, उक्त श्रिधसूचना के राजयल में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की प्रविध समाप्ति तक खाक्षेप और धुकाव मांगें गए थे; और उक्त राजयल 21-6-1988 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने जनतासे उक्त प्रारूप के संबंध में प्राप्त प्राक्षेप और सुझावों पर विचार किया है;

श्रंता, सब, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम, की धारा 58 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रादप को उक्त प्रधिनियम के अधीन गठित समिति को उक्त अधिनियम की धारा 57 की उपधारा (4) की अपेक्षानुसार निर्दिष्ट करने और उक्त विनियमों के बनाने की समीचीनला और उसकी उपयुक्त के संबंध सें रिपोर्ट करने के लिए उसे समुक्षित अवसर देने के परकात् खान नियम 1955 का और संबोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अपेति:--

इन नियमों का संक्षिप्त नाम खान (संगोधन) नियम
 1989 है।

2. खान नियम, 1955 के (इसे इसमें इसके प्रम्वात् उन्तः नियम कहा गया है) नियम 29 ख के खंड (ख) के प्रचाल निम्नलिखिन परस्तुक प्रन्तः स्थापित किए जाएगें, प्रयनिः~~

"पर्म्यु ऐसे व्यक्तियों के लिए जी--

्र एस्वेस्टन अयस्कों के खनन या प्रेषण संक्रिया में लगे हुए हैं, भाव-धिक स्वास्थ्य परीक्षा प्रत्येक बारह मास में कम से बाम एक बार की जाएनी जाएनी और ऐसी प्रत्येक परीक्षा में पहली अनुसूची के प्रक्रम में विनिद्दित्व सभी परीक्षण, ऐसी एक्सरे परीक्षा को छोड़कर सम्मिलित है, जो प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार की जाएनी; परम्तु यह और कि यदि परीक्षण प्राधिकारी द्याशिकान मृतक श्रीमारी की सुनिक्ष्यित करना द्यावश्यक समझता है तो ऐसी श्रावधिक स्वास्थ्य परीक्षा या एक्सरे परीक्षा या दोनों बारबार किए जाएने।"

- 3. ज्वन नियमों के नियम 29--छ के जप नियम (1) में,--
- (1) समी जिलिस्सा प्रमाणपद्ध शब्दों के प्रमास जिनके अन्तर्गत उपजीविका प्रम्य घूल के प्रमावाधीन परिच्छेदिका दशनि श्राले स्व्यास्च्य इतिबृत और कामकाज ब्योरा सहित सभी चिकित्सा प्रमाण पत्न हैं शब्द अन्त स्थापिन किए जाएगें; और
- (॥) "पांच अर्थ " शब्दों के समान पर "दस वर्ष" शब्द रखे जाएंगें।
 4. उक्तः निव्मी की पहले अनसूची में, --
- (1) प्ररूप तमें, कम सं. 7 के खंड (सा) में

"एकसरे परीक्षा की जानी चाहिए " गब्बों के स्थान पर ।
फोर्संड वाइटल कैंपैसिटी (एफ पी सी) और एक सैक्ण्ड में फोर्संड
एक्सपाइरेटरी बोध्यूम (एफ ई बी-1) प्रिमिलिखिक करने के लिए
"पूर्ण धाकार का बक्ष के आगे पोछे का रेडियाँग्राफ बनाया जाना
चाहिए (जो बधीयक्रक्तांभ और दोनों पशुंकामध्यक्ष्य कोणों को
सम्मिलित नरने के लिए काफी बड़ा हो) और जिसे कम
से कम 300 एम• ए. (मिलीएम्पियर) क्षमसा वाली एक्सरे भणीन
द्वारा प्राप्त किया गया हो और जिसका मूल्यकित
मुख्य निरीक्षक द्वारा विनिदिष्ट रीति से किया गया हो और फेफड़ा
कार्य परीक्षण (स्वाइरीमेटरी) किए जाने चाहिए" ग्रन्थ
रखे जाएंगे।

(॥) प्रदात--1 कम सं. २ के खंख (ख) में "ऐक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए" गब्दों के स्थान पर।

फोसंड वाहटल कैंपेसिटी (एफ बी सी.) और एक सैक्ण्ड में फोसडं एक्सपाइरेटरी अल्यूम (एफ ई. बीं-1) ध्रिमिलिखित करने के लिए "पूर्ण ध्राकार का वक्ष के छाने पीछे का रेडियो प्राफ बनावा जाना चाहिए (जो वक्षीय धरतांच और दोसों पश्चांसाध्यच्छद कोणों की सम्मिलित करने के लिए काफी बड़ा हो) और जिसे कम से बाम 300 एम. ए. (मिलीएस्पियरी) क्षमता वाली एक्सरे मधीन द्वारा प्राप्त किया गया हो और जिसका मूल्यांकन मुख्य निरीक्षण द्वारा विनिधिण्ड रीति से किया गया हो और फेक्हों कार्य परीकण (स्पाइरोमेटरी) किए जाने चाहिए" शब्द रखे जाएने।

]सं. एस. 65012/2/86-- भाई एस ए**न**II]

भार टी पाण्डेंस, 'इप संजित

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 21st July, 1989

G.S.R. 707(E).—Whereas the draft of certain regulation further to amend the Mines Rules, 1955 was published as required by sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), in the Gazette of India Extraordinary, Part-II, section 3, sub-section (i), dated the 24th May, 1988,

under the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 643(E) dated the 24th May, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said Notificacation in the Official Gazette;

And, whereas, the said Gazette was made available to the public on the 21st June, 1988;

And, whereas, the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 58 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Committee constituted under the said Act and after giving it a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making of the said regulations and as to the suitability thereof as required by Sub-sction (4) of Section 59 of the said Act, hereby makes the following rules, further to amend the Mines Rules, 1955, namely .—

- 1. These rule may be called the Mines (Amendmend) Rules, 1989.
- 2. In rule 29B of the Mines Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules) after clause (b) the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that, for the persons who are engagd in the process of mining or milling of asbetos ore, periodic medical examination shall be done at least once in every twelve months and every such examination shall include all the tests specified in Form 'P' of the First Schedule except the X-ray examination, which shall be caried out once in every three years:

Provided further that the periodic medical examination or the X-ray examination or both, shall be conducted at more frequent intervals if the examining authority deems it necessary to confirm a suspected case of a dust-related disease."

- 3, In sub-rule (1) of rule 29G of the said rules,
 - (i) after the words "All medical certificates", the words, "including all medical examiniation records with medical history and job details to depict the occupational dust exposure profiles," shall be inserted; and

- (ii) for the words "five years", the words "ten years" shall be substituted.
- 4. In the First Schedule to the said rules,
 - (i) In Form P, in clause (b) of serial No. 7 for the words, "An X-ray examination should be made and if, "the words" A full sized postero-anterior chest radiograph (large enough to include thoracic inlet and both costophrenic angles) obtained by an X-ray machine of at least 300mA (Milli-Ampere) strength shall be evaluated in the manner specified by the Chief Inspector and Lung function tests (spirometry) to record forced vital city (FVC) and forced expiratory volume in one second (FEVI) shall be made. There should not be any evidence active pulmonary disease. If" shall be substituted.
- (ii) In Form P-1, in clause (b) of serial No. "An X-ray examina-7, for the words, tion" the words "A full sized posteroanterior chest radiograph (large enough to include thoracic inlet and both costophrenic angles) obtained by an X-ray machine of atleast 300mA strength shall be evaluated in the manner sepcified by the Chief Inspector and Lung function test (spirometry) to record forced vital capacity (FVC) and forced expiratory volume in one second (EFVI)" shall be substituted.

[F. No. S-65012|2|86-ISH.II]

R. T. PANDEY, Dey. Secy.